4. (क) निम्नलिखित शब्दरूपों में से किसी **एक** शब्द के सम्पूर्ण रूप लिखिए : **1×3½=3½**

(i) बालक

(ii) साधु

(iii) पितृ ।

(ख) निम्नलिखित धातुरूपों में से किसी **एक** धातु के सम्पूर्ण रूप लिखिए : **1×3½=3½**

(i) भू (लट्लकार)

(ii) लभ् (लृट्लकार)

(iii) दा (यच्छ) (लङ्लकार) ।

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** पदों की सन्धि/सन्धिविच्छेद कीजिए : **7×½=3½**

(i) देव + आलयः

(ii) देव + आनन्दः

(iii) हरी + एतौ

(iv) प्र + एजते

(v) साधू + आगतौ

(vi) हरे + अत्र

No. of Printed Pages : 05 **Roll No. ....**

34213

B. A. (NEP-2020) EXAMINATION, 2025

(Second Semester)

संस्कृत–चयनिका

B23-SKT-204

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks :* 35

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **7×1=7**

(क) 'धिक् दारिद्र्यम्' पाठ मूलतः कहाँ से लिया गया है ?

(ख) 'हितोपदेश' के रचयिता कौन हैं ?

(ग) 'बालक' शब्द की तृतीया विभक्ति तीनों वचनों में रूप लिखिए ।

(घ) 'अवदाम' रूप में लकार, पुरुष व वचन का निर्देश कीजिए ।

(ङ) स्वर सन्धि का अन्य नाम क्या है ? लिखिए ।

(च) 'श्रीमद्भगवद्गीत' के अध्यायों की संख्या लिखिए ।

(छ) सन्धि कीजिए :

(i) सु + उक्ति

(ii) हिम् + आलयः ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए : **2×3½=7**

(क) अर्थाद् धर्मश्च कामश्च स्वर्गश्चैव नराधिपः ।
प्राणयात्रापि लोकस्य विना ह्यर्थं न सिद्ध्यति ॥

(ख) लोकयात्राभयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता ।
पंच यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात्तत्र संस्थितिम् ॥

(ग) दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वाः दण्ड एवाभिरक्षति ।
दण्डः सप्तेषु जगर्ति दण्डं धर्मं विदुर्बुधाः ॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का सरलार्थ कीजिए : **2×3½=7**

(क) नाऽनाम्यं नमते दारु नाऽश्मनि स्यात्क्षुरक्रिया ।
सूचीमुखं विजानीहि नाशिष्यायोपदिश्यते ॥

(ख) चटकाकष्ठकूटेन मक्षिकाद्दुरैस्तथा ।
महाजनविरोधेन कुञ्जरः प्रलयं गतः ॥

(ग) अस्ति वाराणस्यां कर्पूरपटको नाम रजकः । स रात्रौ गाढनिद्रयां प्रसुप्तः । तदनन्तरं तद्गृहद्रव्याणि हर्तुं चौरः प्रविष्टः । तस्य प्राङ्गणे गर्दभो बद्धस्तिष्ठति कुक्कुरश्चोपविष्टोऽस्ति । अथ गर्दभः श्वानमाह सखे, भवतस्तावदयं व्यापारः । तत्किमिति त्वमुच्चै शब्दं कृत्वा स्वामिनां न जागरयति ।

(घ) अस्ति कस्मिंश्चित्पर्वतैकदेशे वानरयूथम् । तच्च कदाचिद्समयेऽति कठोर-वानसंस्पर्श-वेतमान-कलेवरं-तुषार-वर्षोद्धित-प्रवर्ष-घन-धारा-निपरत-समाहतं न कर्यंचित्छान्तिम् अगमत् । अथ केचिद्वानराः वह्निकण सदृशानि गुञ्जाफलान्यवचित्य वह्निवाञ्छया मूत्कुर्वन्तः समनतात् तस्थुः ।

(vii) गजाननः

(viii) गुरुपदेशः

(ix) वनेऽपि

(x) लते + एते ।

(ख) श्रीमद्भगवद्गीता से कण्ठस्थ किन्हीं **दो** श्लोकों का शुद्ध लेखन कीजिए (ये श्लोक प्रश्न-पत्र से भिन्न हों) **3½**

❖❖❖❖❖❖❖

(vii) गजाननः

(viii) गुरुपदेशः

(ix) वनेऽपि

(x) लते + एते ।

(ख) श्रीमद्भगवद्गीता से कण्ठस्थ किन्हीं **दो** श्लोकों का शुद्ध लेखन कीजिए (ये श्लोक प्रश्न-पत्र से भिन्न हों) **3½**

❖❖❖❖❖❖❖